26/7/15

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीगण वकील अनु०।
चूंकि मूल वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में
खारीज किया जा चुका है अब इस आवेदन
को आगे चलाने का कोई औचित्य नहीं रहा।
अतः इस आवेदन की कार्यवाही इसी स्टेज पर
समाप्त की जाती है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल
दफ्तर हो। परवाना से काम हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.09.23 13:37:36 IST
Reason: SelfAttested